

२.५-१९

पलावली परा दुई वहुलाक परीशे ३००  
 श्ल वाद मं जवानिके ~~पुनी~~ डिही जाती  
 एर मुकी र्हे इलासिप आरुदन परा का  
 काके आरुचेल्य नही र्हे, आरुदन  
 परा स्वारिज डिपा जाके पलावली  
 फलस श्रु आरु वरिपुव पलावली  
 गाखेल ७ दफ्तर हरि

*(Handwritten signature)*  
 or

*(Handwritten signature)*  
 सहायक बरिपुव (मास्ट ट्रेक)  
 दाँतासमगद (सीकर)